

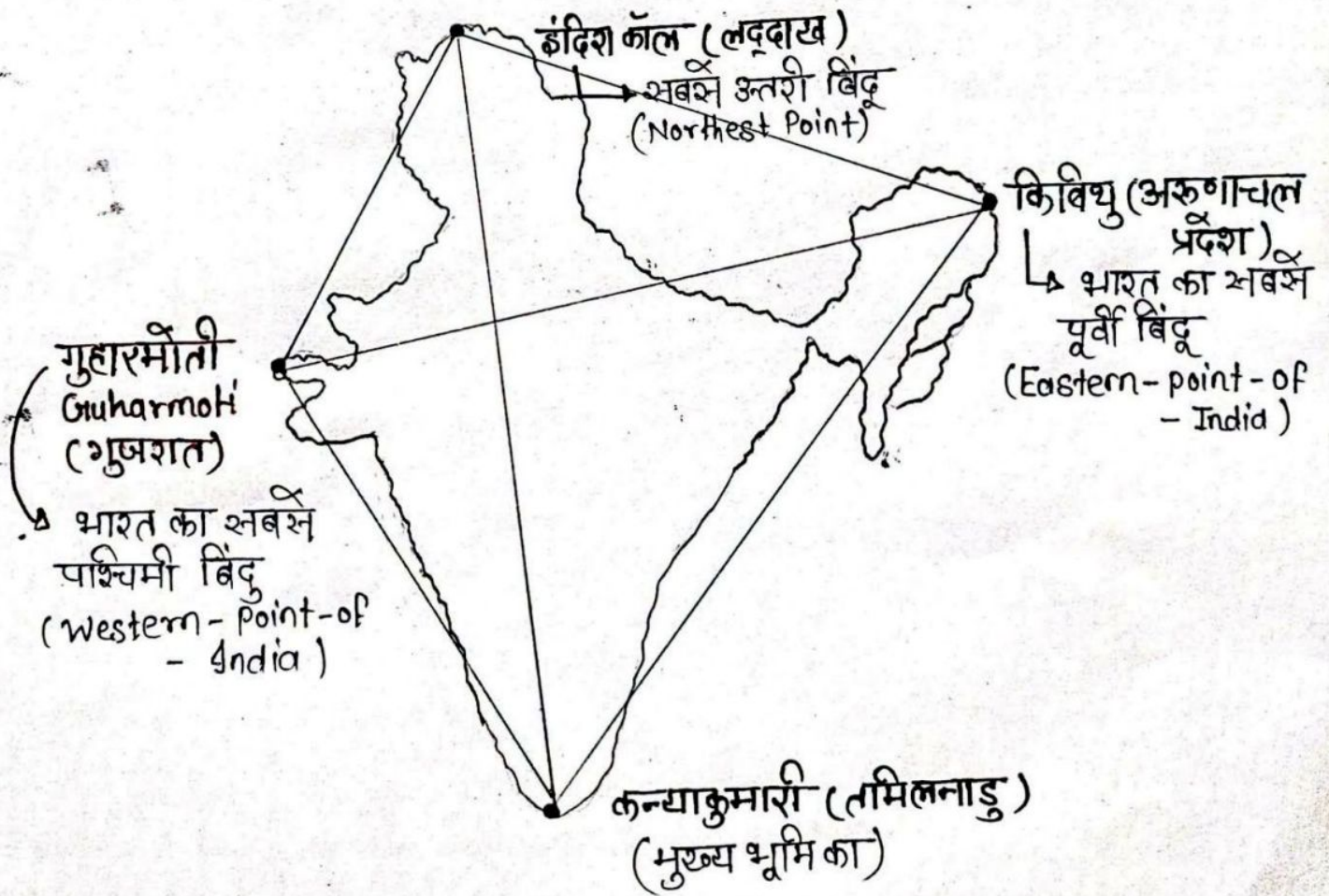
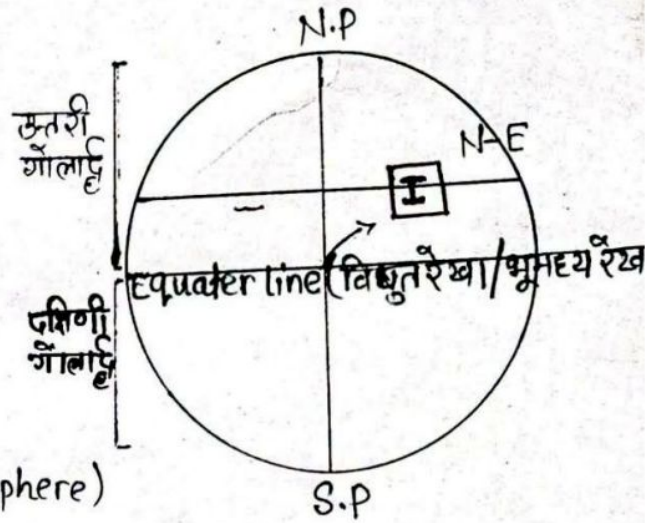
भारत - पारिचय (Introduction)

→ अन्य नाम →
 → इंडिया (India)
 → हिंदुस्तान (Hindustan)
 → आर्यावर्त
 → जम्बूद्वीप (बौद्ध काल)

→ राजधानी (Capital) → नई दिल्ली

→ भौगोलिक स्थिति → उत्तर पूर्वी गोलार्ध
 (North-East-Hemisphere)

→ आकार (Shape) → चतुर्कोणीय (Quadrilateral)



-!- GEOGRAPHY !-

* भारत के पड़ोसी देश *

→ अक्षांशीय विस्तार → (Latitude - Expansion)

↳ 8°4' से 37°6'
उत्तरी अक्षांश

37°6' उत्तरी
अक्षांश
(North-lati.)



8°4' उत्तरी
अक्षांश (North-latitude)

कन्याकुमारी (TN) 8°4' उत्तरी

इंडियन प्वाइंट

↳ देशान्तरीय विस्तार (Longitude - Expansion)

↳ 68°7' से 97°25' पूर्वी देशान्तर

↳ समय मानक रेखा (IST) (Indian-Standard-Time-Line.)

↳ 82°30' पूर्वी देशान्तर
(Eastern-longitude)-

↳ (5) राज्य - ① UP

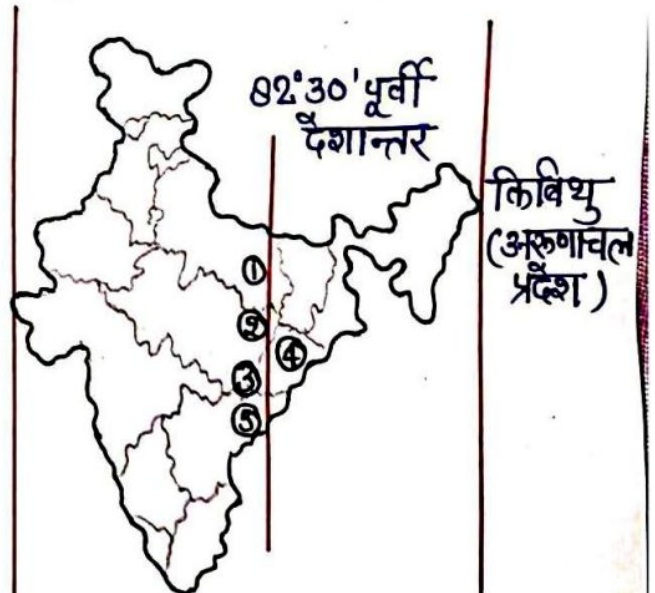
② MP

③ छत्तीसगढ़

④ झारखंड

⑤ आंध्र-प्रदेश

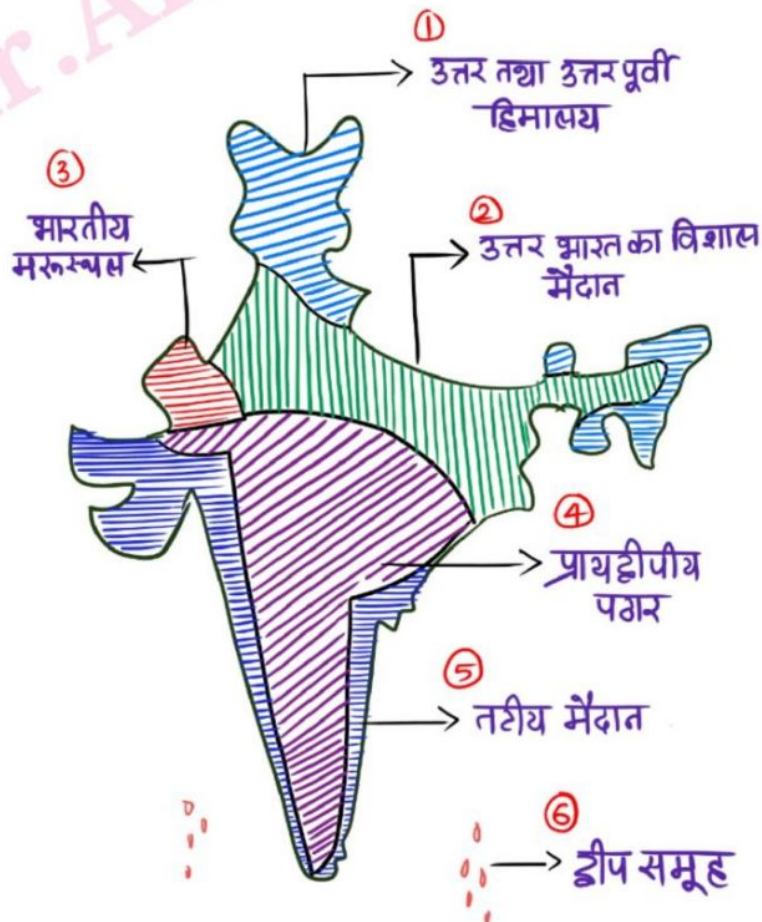
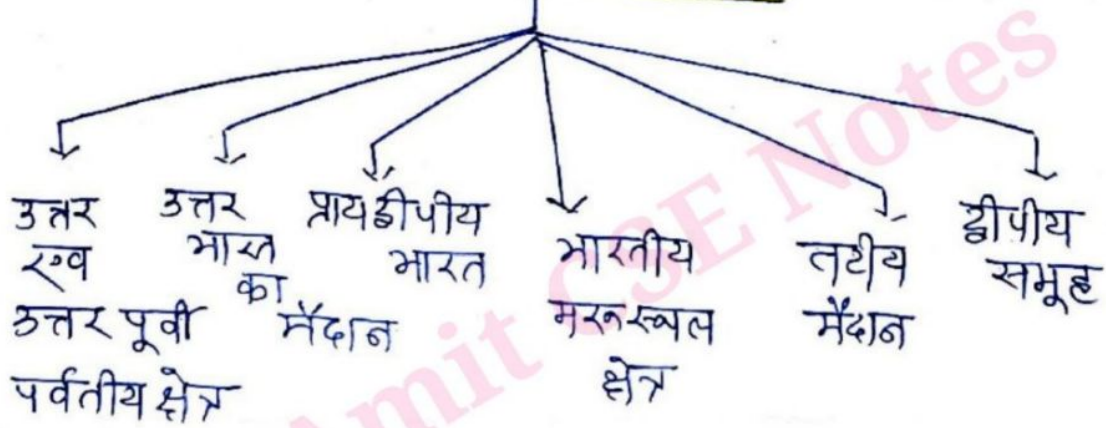
(प्रयागराज,
मिर्जापुर,
नेनी)



68°7' पूर्वी
देशान्तर

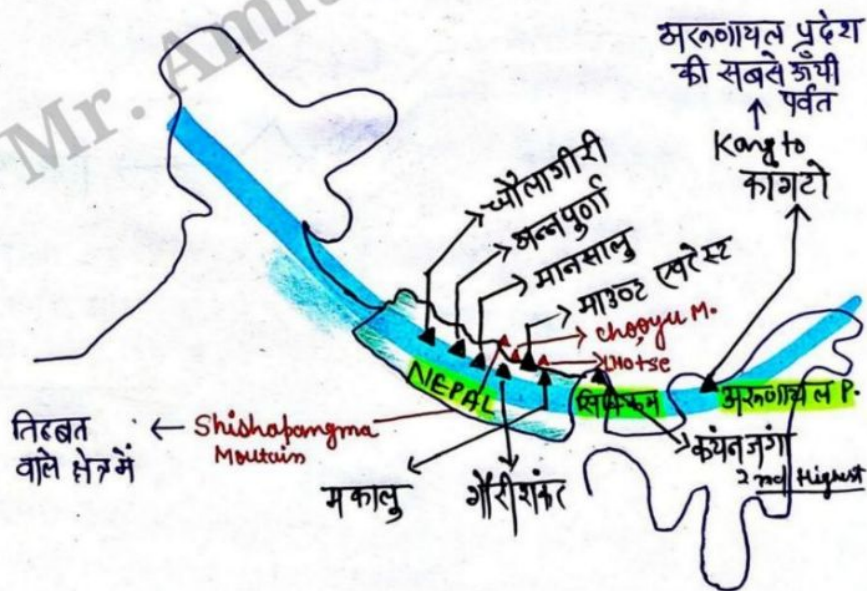
97°25' पूर्वी
देशान्तर

भारत का भौतिक वर्गीकरण → "6 प्रकार"



GREAT HIMALAYAS महान हिमालय

(20)



औसत
Height
1500-2000m

← शिवालिक हिमालय → बाह्य हिमालय
Shivalic Himalaya



शिवालिक हिमालय

→ उत्पत्ति और संरचना की दृष्टि से शिवालिक हिमालय की अन्य पर्वत शृंखलाओं से भिन्न है।

→ शिवालिक हिमालय → उत्पत्ति

↓
हिमालय पर्वत से निकलने वाली नदियों के द्वारा लायी गई अवसाद के निक्षेप से हुआ है।

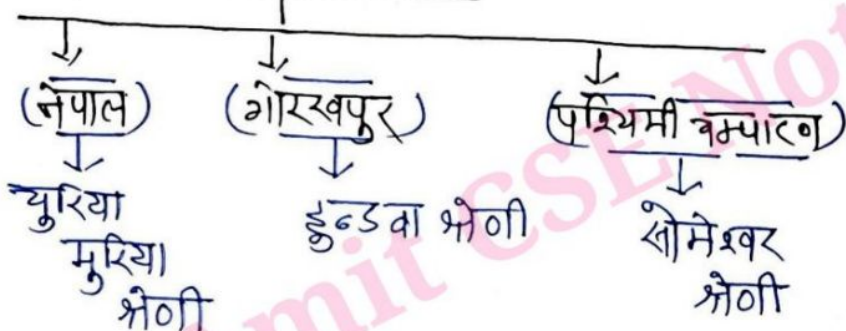
↓
इसलिए शिवालिक की औसत ऊँचाई कम होने के साथ-साथ यह हिमालय की नवीनतम शृंखला भी है।

हिमाचल में शिवालिक पर्वत की Average Height औसत

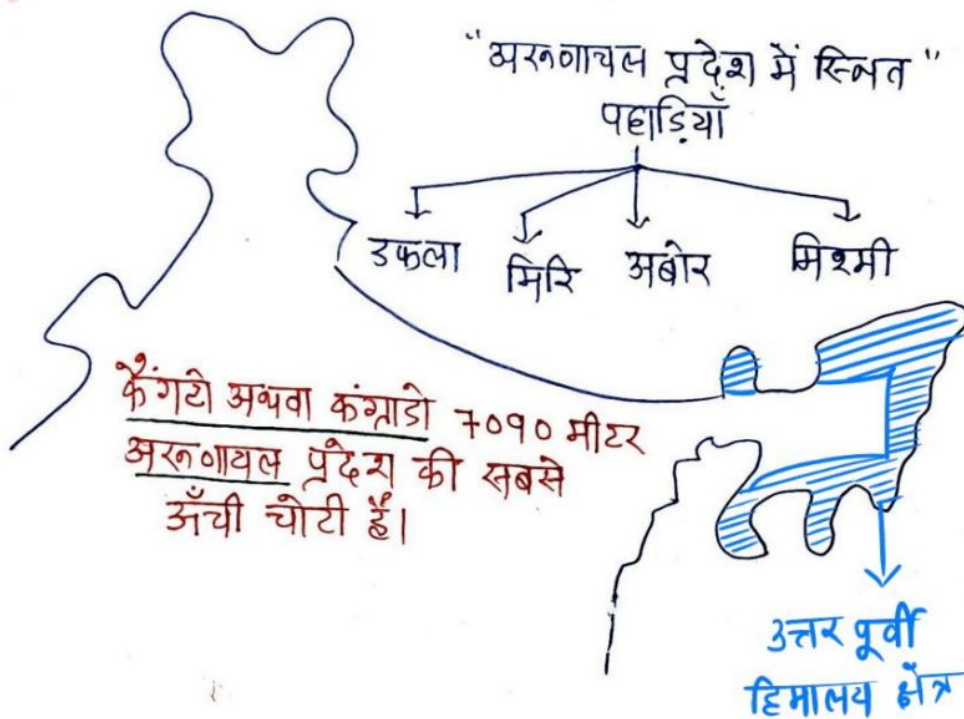
(14)

और अरुणाचल प्रदेश में High $\rightarrow$ 15km चौड़ा
50km है चौड़ा

"शिवालिक के अन्वय बाम"

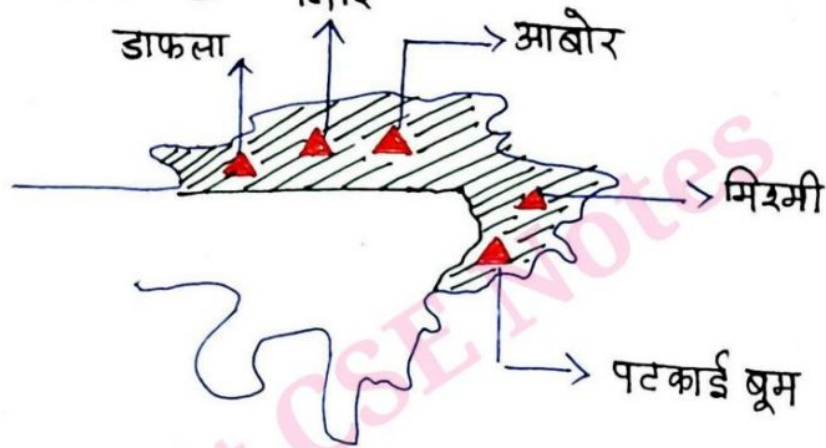


उत्तर-पूर्वी हिमालय



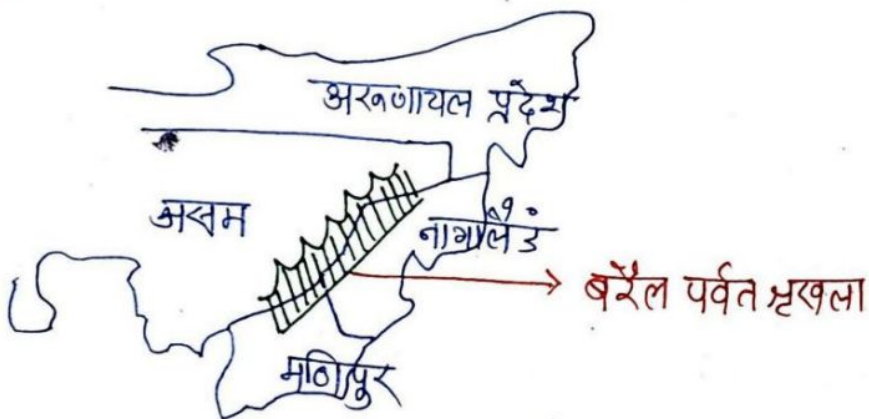
पटकाई बूम

- पटकाई बूम पहाड़ी अरुणाचल प्रदेश में उत्तर से दक्षिण दिशा में फैला हुआ है।
- यह भारत और म्यांमार की सीमा बनाती है



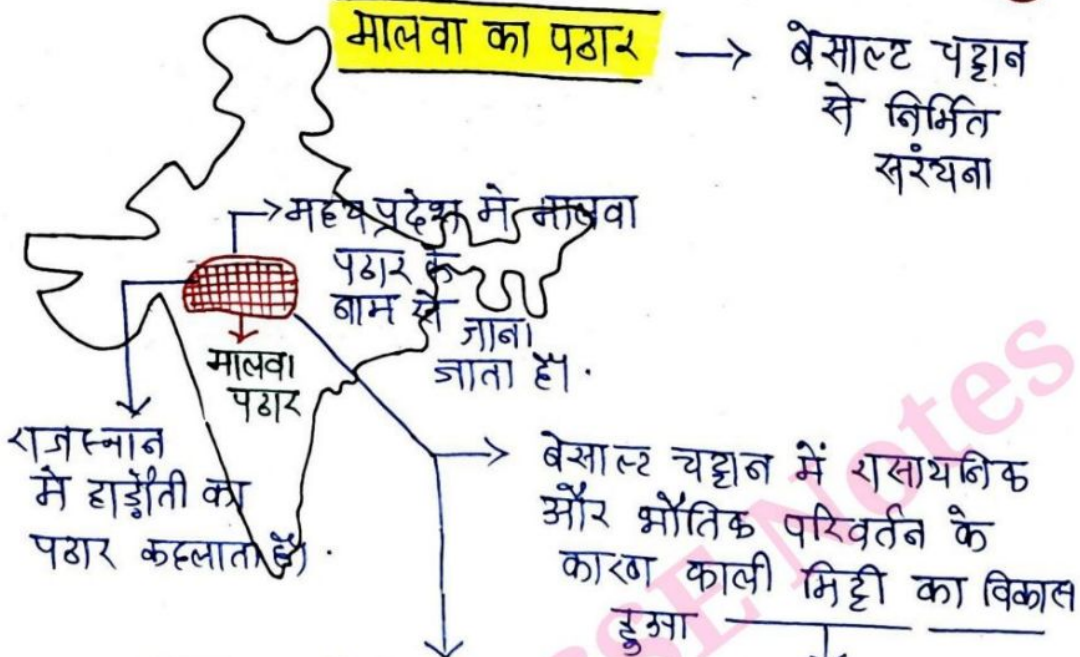
बरेंली श्रेणी

- बरेंली श्रेणी असम, नागालैंड और मणिपुर में स्थित है।



मालवा का पठार

→ बेसाल्ट चट्टान से निर्मित संरचना



- चम्बल नदी के अपवाह क्षेत्र का संबंध मालवा पठार से है
- यहाँ चम्बल नदी के द्वारा अपरदन से निर्मित भूमि को बीहड़ या उलटात भूमि कहते हैं

- बेतवा नदी
काली नदी (मालवा क्षेत्र)
चंबल
केन
- "मालवा पठार" क्षेत्र में है।

- भोपाल शहर बेतवा और पार्वती नदी के दोआब के बीच स्थित है।
- मालवा पठार पर उर्मिल मैदान (Rolling Plain) मिलते हैं जिनमें

बुंदेलखण्ड का पठार



विन्ध्यन श्रेणी

"यह उत्तरी भारत और दक्षिण भारत का विभाजक है।"

- यहाँ संगमरमर
- चूना पत्थर
- क्वार्ट्जाइट
- भवन निर्माण सामग्री मिलते हैं।

दलौक पर्वत का उदाहरण

इसके दक्षिण में नर्मदा नदी भ्रंश घाटी से होकर गुजरती है।

यहाँ लाल बलुआ पत्थर मिलता है।

• यह पश्चिम से पूर्व की ओर गुजरात - मध्य प्रदेश - U.P - तमिलनाडु राज्यों में फैला है।

- यह गुजरात में जोधपट्ट पहाड़ी
- मध्य प्रदेश में भटनेर
- उत्तर प्रदेश में विन्ध्यन और कैमूर
- बिहार में कैमूर पहाड़ी रूप विस्तृत है।

पूर्वी पठार

अंतर्गत पठार

- छोटा नागपुर पठार
- महानदी बेसीन
- वन्तीसगढ़ बेसीन
- दंडकारण्य पठार

"छोटा नागपुर का पठार"

यह पठार कोयला भंडार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है। दामोदर नदी का संबंध कोयला क्षेत्र से इसलिए यह भारत रत्न कहलाता है।

↓ प्रमुख नदी क्षेत्र
सोन नदी
स्वर्ण रेखा
उत्तर तथा दक्षिण कोयला
दामोदर नदी
शंख नदी

हजारीबाघ का पठार

महानदी बेसीन
इसकी दक्षिणी
सीमा है।

शंखी का पठार

- इसके उत्तर पूर्व में राजमहल की पहाड़ियाँ हैं
- शंखी के पठार से बिकलने वाली स्वर्णरेखा नदी पश्चिम बंगाल और ओडिशा की सीमा होते हुए बंगाल की खाड़ी में स्वतंत्र रूप से बिरती है।

- • "स्वर्ण रेखा" → छोटा नागपुर की 2nd सबसे लंबी नदी (दूसरी)
- • "दामोदर नदी" → सबसे लंबी नदी छोटा नागपुर पठार की
- यह नदी हजारीबाघ पठार को शंखी के पठार से अलग करती है।
- यह नदी हुगली नदी से मिलती है।

- छोटा नागपुर पठार की सबसे ऊँची चोटी → पारसनाब जो आरखण्ड गिरि श्रृंखला में है।

शुष्क और अर्द्ध शुष्क

मरुस्थल क्षेत्र

राजस्थान का मैदान

→ यह अश्वली के पश्चिम में फैला है।



"अश्वली प्रदेश"

मैदानी क्षेत्र

→ लूनी नदी और बाघर नदी का संबंध इस क्षेत्र से है।

सांभर झील

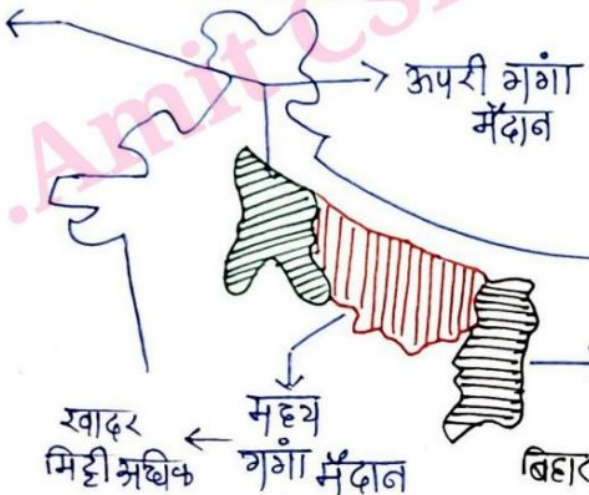
डीडवाना झील

ओगना, कुचामन झील संबंधित

- इसी क्षेत्र में राजस्थान-बांगर तथा मरुस्थलीय क्षेत्र आते हैं।
- यहाँ इंदिरा नहर द्वारा विस्तृत रूप से खेती की जाती है।

गंगा का मैदान

- उत्तरखण्ड एवं उत्तर प्रदेश राज्य में
- नदियाँ क्षेत्र
- गंगा नदी
- यमुना नदी
- रामगंगा नदी
- गोमती नदी
- घाघरा नदी या शारदा



ऊपरी गंगा मैदान

नियंत्रण में डेल्टाई भूमि की अधिकता है।

निम्न गंगा मैदान

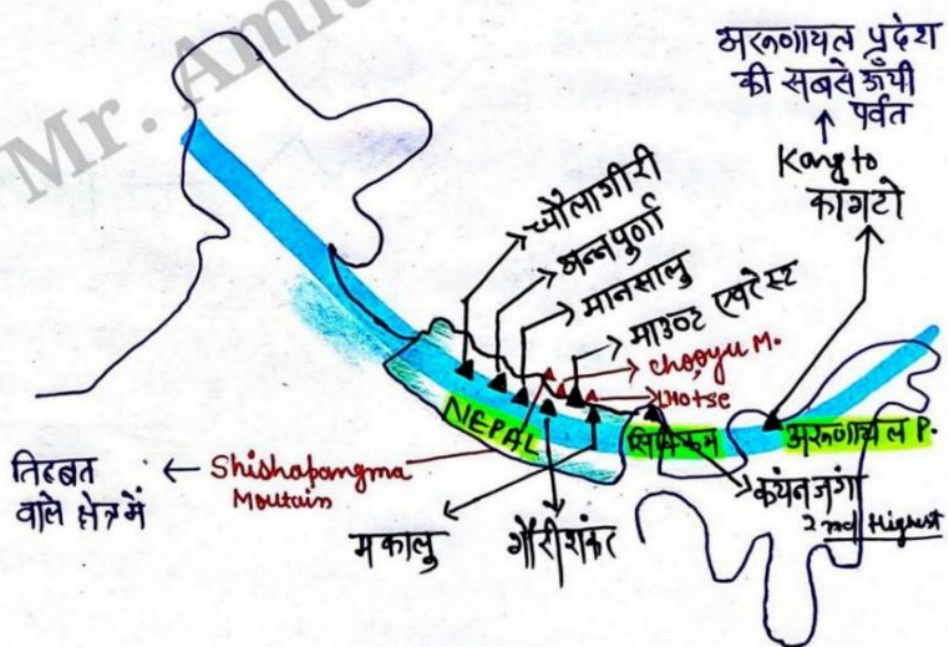
बिहार पूर्वी भाग और पश्चिम बंगाल का क्षेत्र और गंगा-ब्रह्मपुत्र से निर्मित डेल्टा क्षेत्र है।

खादर मिट्टी अधिक

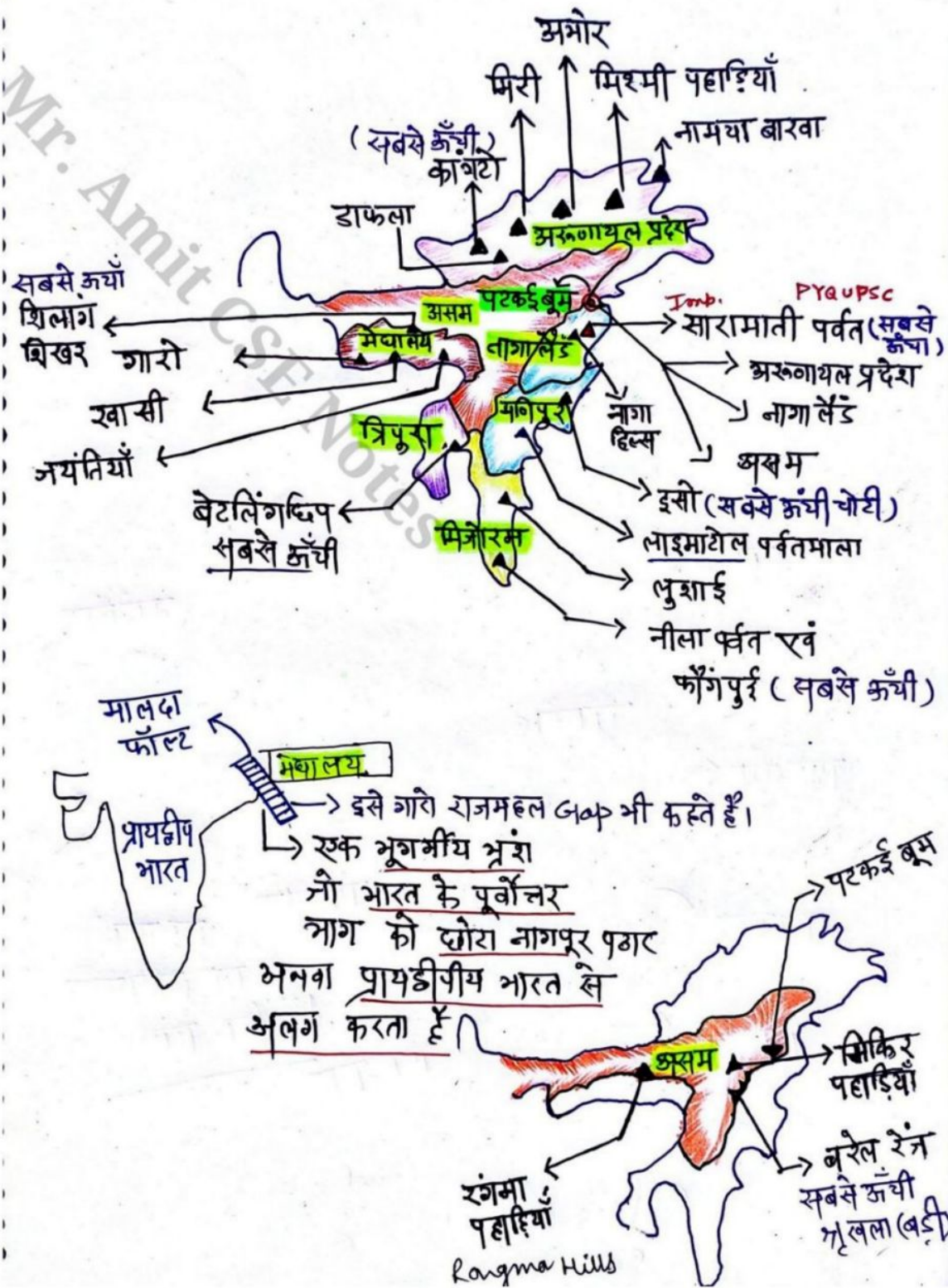
मध्य गंगा मैदान

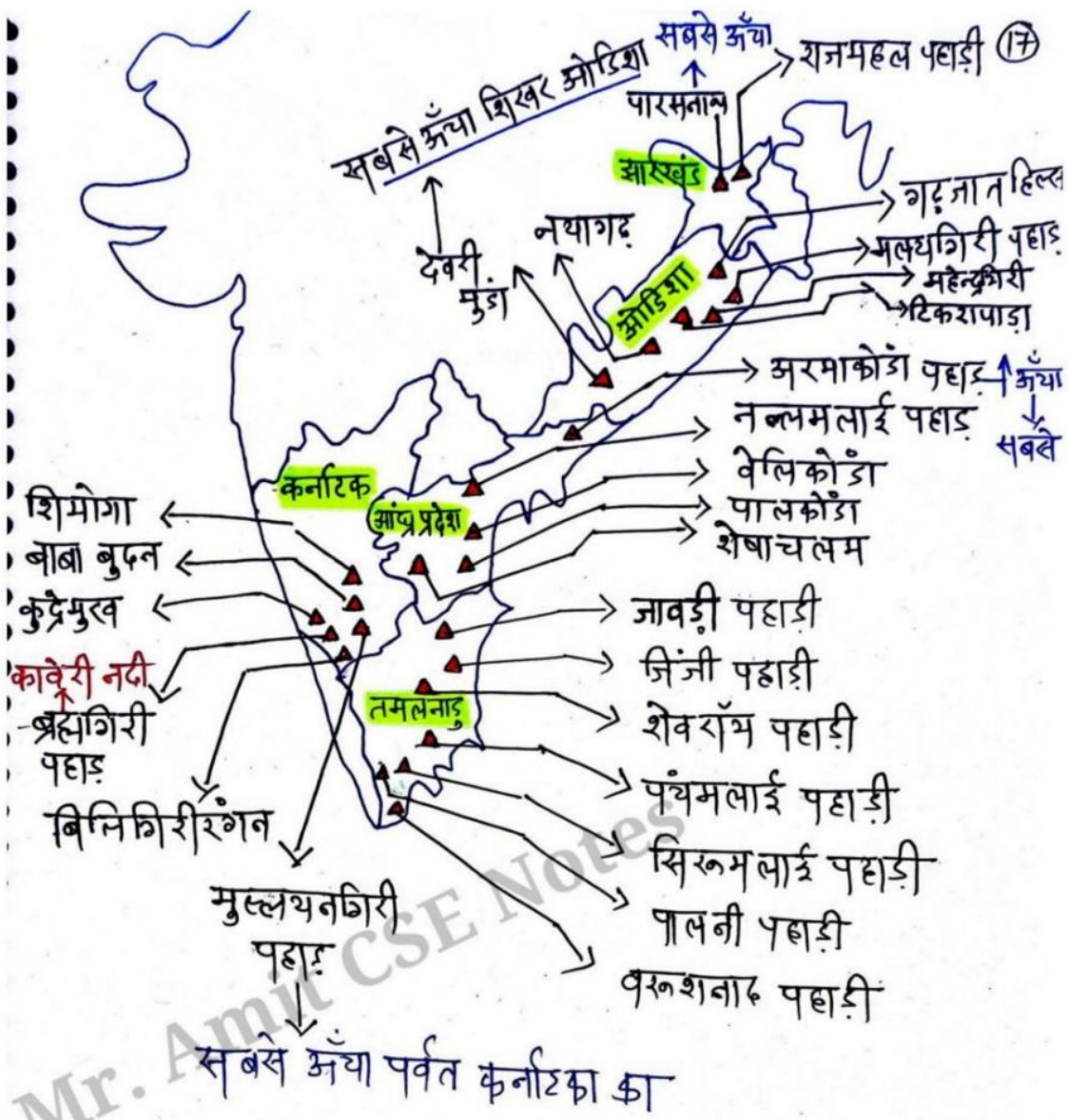
- इस क्षेत्र में पूर्वांचल का मैदान, मगध मैदान मिथिला मैदान, सारन का मैदान है।
- गोरख झील
- नदियों का प्रवाह चीमा

GREAT HIMALAYAS महान हिमालय (20)



पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख पर्वत





राज्य

सबसे ऊँचा शिखर

राजस्थान	→	ध्रुव शिखर	ओडिशा	→	देवरी मुंठा
गुजरात	→	गिरनार	आंध्र प्रदेश	→	अरमाकोडा
महाराष्ट्र	→	चूपगढ़	झारखण्ड	→	पारसनाथ
महाराष्ट्र	→	कलसुबाई			
कर्नाटक	→	मुल्लयनगिरी			
तमिलनाडु	→	ओड़ाबेटा			
केरल	→	अनामुडी (दक्षिण का भी सबसे ऊँचा)			

भारत के तटीय मैदान का भौतिक विभाजन^①

संघ लोक सेवा आयोग
परीक्षा नोट्स

IAS.Pcs

तटीय मैदान

- अरब सागर → पश्चिम तटीय मैदान
- बंगाल की खाड़ी → पूर्वी तटीय मैदान

पूर्वी तटीय मैदान

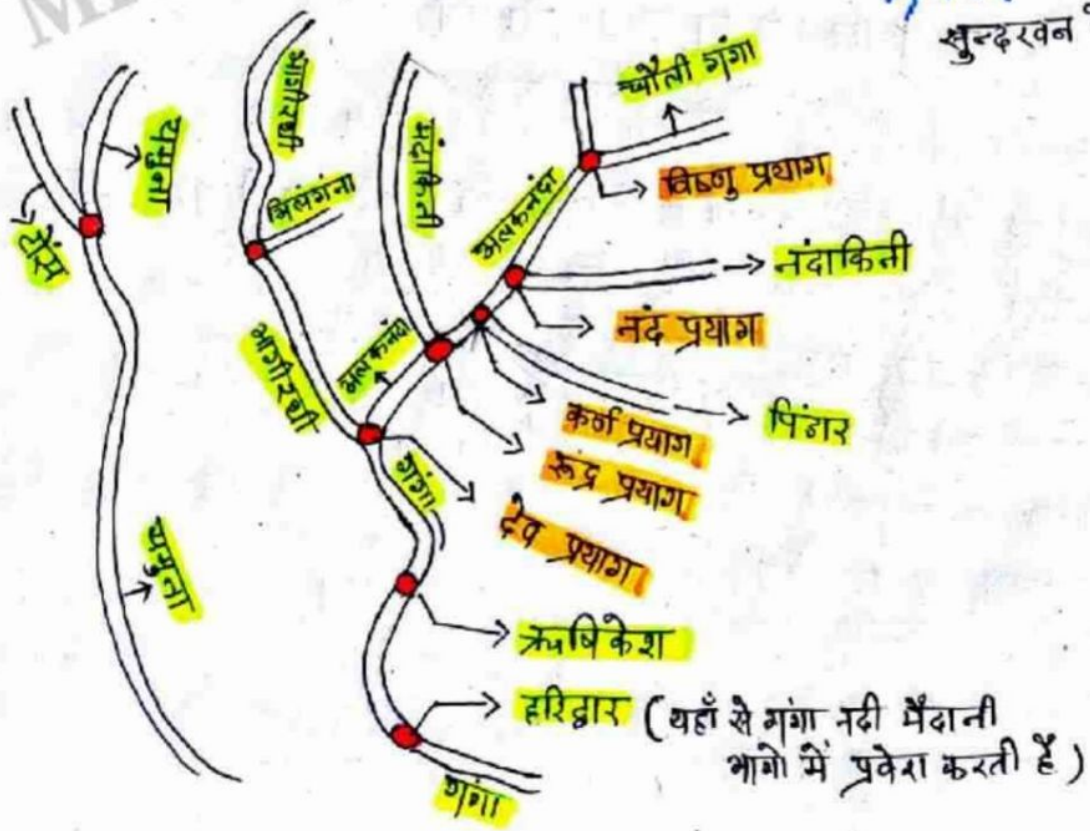
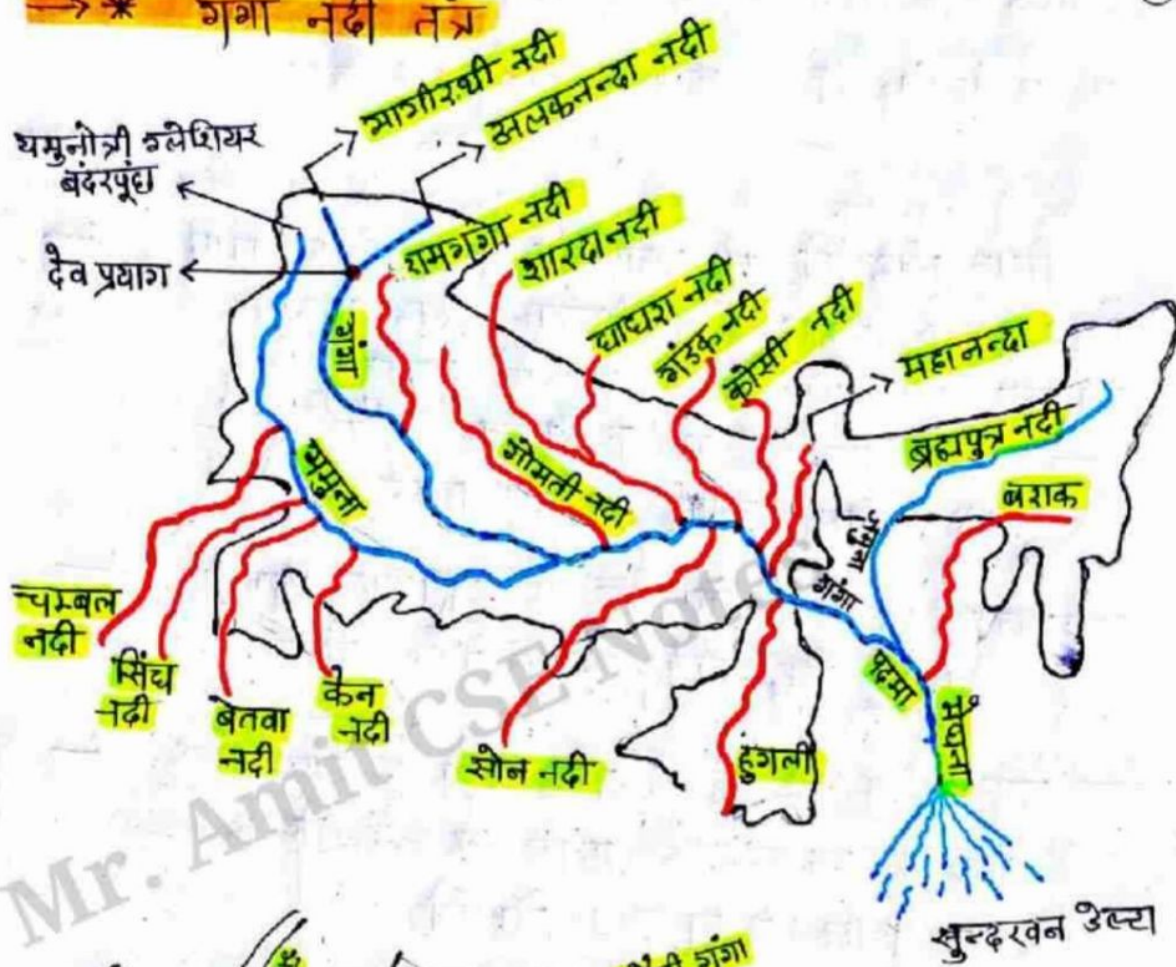
1500 Km लम्बाई
1000 Km चौड़ाई
बंगाल की खाड़ी और पूर्वी घाट के माध्य

- महानदी
- गोदावरी
- कृष्णा
- कावेरी
- डेल्टाई क्षेत्र 25%



Mr.Amit CSE Notes

→ * गंगा नदी तंत्र



"क्रमानुसार"

← पश्चिम नदियाँ

धुनी नदी
भादर
शेन्नुजी
साबरमती
माही
नर्मदा
तापी
वेंतरणा
मांडवी
जुआरी
कापी
ताडरी
श्यावती
अरतपुझा
परियार
पम्हा

अरब सागर

"क्रमानुसार"

पूर्व की नदियाँ →

स्वर्णरेखा नदी
वेंतरनी
ब्राह्मणी
महानदी
रुषिकुल्या
वंशचरा
नागावली
गोदावरी
कृष्णा
पद्मेरु
मल्लैरु
पेन्नैरु
कावेरी → पलार नदी
वाइपर
चित्तार
अमिराबरानी

बंगाल की खाड़ी
में बिरने वाली
नदियाँ

समूह	जलवायु प्रकार	उपसमूह कूट अक्षर	लक्षण
A. उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु	उष्णकटिबंधीय आर्द्र	Af	कोई शुष्क ऋतु नहीं
	उष्णकटिबंधीय मानसूनी	Am	मानसून, लघु शुष्क ऋतु
	उष्णकटि० आर्द्र एवं शुष्क	Aw	जाड़े की शुष्क ऋतु
B. शुष्क जलवायु	उपोष्ण कटिबंधीय - स्टेपी	BSh	निम्न अक्षांशीय अर्द्ध-शुष्क एवं शुष्क
	उपोष्ण कटि० मरुस्थल	BWh	निम्न अक्षांशीय शुष्क
	मध्य अक्षांशीय स्टेपी	BSk	मध्य अक्षांशीय अर्द्ध शुष्क अनवा शुष्क
	मध्य अक्षांशीय मरुस्थल	BWk	मध्य अक्षांशीय शुष्क
C. कोष्ण शीतोष्ण (मध्य अक्षांशीय जलवायु)	मध्य अक्षांशीय उपोष्ण	Cfa	मध्य अक्षांशीय अर्द्ध शुष्क
	बूमध्यसागरीय	Csa	शुष्क गर्म ग्रीष्म
	समुद्री पश्चिमी तटीय	Cfb	कोई शुष्क ऋतु नहीं और शीतल ग्रीष्म
D. शीतल हिमका जलवायु	आर्द्र महाद्वीपीय	Df	कोई शुष्क ऋतु नहीं भीषण जाड़ा
	उप-उत्तर ध्रुवीय	Dw	जाड़ा शुष्क तथा अत्यंत भीषण

"वर्तमान मृदा के प्रकार"

